27.5.24 पत्रावली पेश हुई। वकील पक्षवार उपस्थित।
वकिल उभयपक्ष ने दोनो पक्षो के मध्य
आपसी राजीनामा हो जाने से प्रकरण
मे कोई कार्यवाही नही चाहते
हुए प्रकरण को निस्तारित
करने बाबत राजीनामा का
प्रार्थनापत्र प्रस्तुत किया। प्रार्थनापत्र
तस्दीक किया गया। वकिल वादी
ने वादिया कि पहचान कि
वकिल प्रतिवादी ने प्रतिवादीगण
कि पहचान कि, राजीनामा का
प्रार्थनापत्र तस्दीक किया गया।
उभयपक्ष कि ओर
से प्रस्तुत राजीनामा के प्रार्थनापत्र से
यह सिद्ध होता है कि प्रकरण मे दोनो
पक्षो के मध्य राजीनामा हो गया है। तथा
प्रकरण मे कार्यवाही नही चाहते है।

अतः प्रार्थनापत्र राजीनामा के आधार पर कार्यवाही नहीं चाहने से वादिया द्वारा प्रस्तुत वाद खारीज किया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर दाखिल दफ्तर होवे।

उपखण्ड अधिकारी
सीमलवाड़ा